प्र. भारत में श्रम आंदोलन के विकास का एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए। इसके प्रमुख विशेषताओं को भी बतलावें।

Prof. (Dr.) Ajay Kumar Singh
Associate Prof. cum H.O.D.,
Deptt. Of L.S.W.,
S.N.S.R.K.S. College, Saharsa
E-mail: drajaysaharsa@gmail.com

या,

भारत में श्रम संघ आंदोलन के विकास की बाधाओं की विवेचना कीजिए। इन बाधाओं को दूर किस प्रकार किया जा सकता है? अपना सुझाव दें।

या

भारत में श्रम संघों की संख्या तथा नेतृत्व को प्रभावित करने वाले कारक की व्याख्या कीजिए।
अन्तर श्रमसंघ प्रतिद्वन्द्विता तथा औद्योगिक हिंसा के लिए आप क्या उपाय करेंगे। — 40th BPSC

उ० → (A) प्रथम विश्वयुद्ध के पहले की अवधि तक

(i) 1877 में नागपुर के श्रमिकों ने निम्न मजदूरी को लेकर हड़ताल किया।

(ii) 1890 में N. M लोखंडे ने बम्बई मिल हैंड्स एसोसिएशन बनाया।
इसका उद्देश्य बम्बई के सूती वस्त्र कारखानों में काम करने वाले श्रमिक की समस्या सरकार के सामने रखना।

(iii) 1897 में भारत तथा बर्मा के रेलवे सेवकों द्वारा संघ बनाया गया।

(iv) 1905 में कलकत्ता प्रिंटर्स संघ बनाया गया।

(v) 1907 में कलकत्ता तथा मद्रास में डाक तारकर्मियों का संगठन।

(vi) 1908 के बम्बई हड़ताल से श्रमिक आंदोलन में प्रोत्साहन मिला

AI QUAD CAMERA
Shot on realme 5

(3) 1941 में साम्यवादी एम० एन० राय ने इंडियन फेडरेशन आफ लेबर की स्थापना की।

(4) 1947 में पटेल ने भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना की।

(5) 1948 ई० में समाजवादी हिन्द मजदूर सभा की स्थापना की गयी।

1932 से 1933 में एकता सम्मेलन आयोजित किया गया इसमें वी० वी० गिरी, एन० एम० जोशी, दीवान चमनलाल तथा आर० आर० बखले ने इसमें नेशनल फेडरेशन आफ लेबर की स्थापना की।

इस नेशनल फेडरेशन आफ लेबर ने भारतीय ट्रेड यूनियन फेडरेशन मिल गया। इसका नाम नेशनल ट्रेड यूनियन फेडरेशन किया गया।

1934 में लाल ट्रेड यूनियन कांग्रेस का: ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस में सम्मिलित हो गया।

1940 में पुनः एकता आयी। नेशनल ट्रेड यूनियन फेडरेशन, ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस में विलीन हो गया।

3. प्रथम विश्वयुद्ध से देश की स्वतंत्रता की अवधि तक

रूस के 1917 की साम्यवादी क्रांति का प्रभाव भारत पर पड़ा तथा भारतीय मजदूर संघ प्रोत्साहित हुआ।

1918 ई० में देश का पहला आधुनिक श्रम संघ मद्रास लेबर यूनियन की स्थापना की गयी। यह बी०पी०वाडिया द्वारा हुआ

1926 में इन्हीं के प्रयास से श्रमिक संघ अधिनियम 1926 पारित हुआ।

1919 ई० में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की स्थापना होने से श्रम आंदोलन को सहायता मिला।

1920 में अहमदाबाद लेबर ऐसोसिएशन की स्थापना हुई।

1920 में ही ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना हुई। इसके अध्यक्ष लाला लाजपत राय थे।

वाम पंथियों के प्रभाव से 1929 में अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस दो भाग में बँट गया।

अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (1929)

- भारतीय ट्रेड यूनियन फेडरेशन (एन०एम०जोशी)
- लाल ट्रेड यूनियन कांग्रेस (साम्यवादी)

1938 में पुनः एकता आयी, जिससे समाजवादी राज्य की स्थापना कर उद्योगों का राष्ट्रीयकरण तथा प्रेस पर विचार किया गया।

1938 में सुभाष चंद्र बोस ने हिन्द मजदूर सेवक संघ की स्थापना कर

AI QUAD CAMERA
Shot on realme 5